1

825

GENERAL STUDIES (Test–17)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2417

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Vivek yadav **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: 525 Confrence hall **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 781011/2

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. आरंभिक चालुक्यों के अधीन मंदिर स्थापत्य ने प्रायद्वीप में उत्तरकालीन मंदिरों के लिये मूल प्रतिरूप विकसित किये। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Temple architecture under the Early Chalukya developed fundamental prototypes for later temples in the peninsula. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दक्कन क्षेत्र मे स्थापित चालुक्य राज्य न केवल अपने मजबूत राजनीतिक नेतृत्व से चर्चित रहा, बल्कि अपने मंदिर स्थापत्य और वास्तुकलात्मक परिपेक्ष्य से, आगे चोल और पल्लवों को भी मार्गदर्शित किया।

प्रमुख चालुक्य मंदिर

↳ मेगुती का मंदिर

↳ ऐहोल का लाडखान मंदिर

↳ बादामी / पट्टदकल का मंदिर

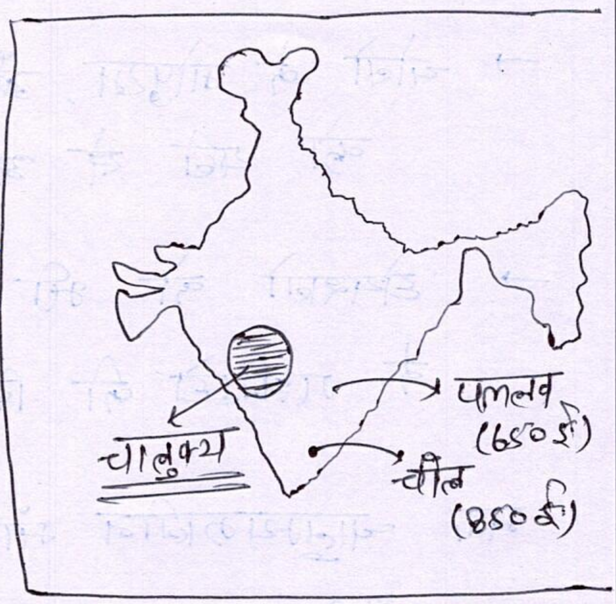

चालुक्यो की विशेषताएँ

→ उत्तरभारत एवं दक्षिणभारत दोनो की स्थापत्य कला को समेटते हुए → बेसर शैली का उदगम

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) शिखर इनके ऊपर उठे हुए, और दोमाकार हो जाते हैं

(3) स्थापत्य विशेषता (द्रविण), वही अलंकरण (उत्तर की नागर शैली)

(4) मंदिरो मे गर्भगृह का विशेष आकार

(5) प्लेटफार्म आधारित मंडपो का विकास

अगे आने वाले राजवंशो को प्रेरणा

→ विशाल रथ मंदिरो को आधार मिला (मामल्लपुरम) → पल्लव

→ चोलो के गोपुरम, और विशाल शिखर/विमान को यही से आधार मिला।

→ होयसलो को भी, अपने ☆ (स्टार) आकार के गर्भगृहो की विकसित प्रेरणा मिली।

अतः चालुक्यकालीन मंदिरो से शुरु हुई स्थापत्य शैली द्रविण और साथ साथ पूरे भारतीय मंदिर शैली को मनोरम और उत्कृष्ट बनाती है

drishti | दृष्टि The Vision

2. विभिन्न विचारधाराओं का उदय भारतीय मध्यकालीन इतिहास की सबसे उल्लेखनीय विशेषता थी। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The most remarkable feature of the medieval period of Indian History was the emergence of various schools of thoughts. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मध्यकालीन भारत सांस्कृतिक सामंजस्यता का काल रहा, जिसमे विभिन्न विचारधाराएँ अपना आकार ले रही थी, और भारत को गंगा यमुनी तहजीब से जोड़ रही थी।

(1.) सूफी - भक्ति समागम

→ सूफियो द्वारा रहस्यवादी प्रतिभा को उजागर किया, वही निर्गुण विचारधारा युक्त भक्ति से सामंजस्य किया। तभी कबीर जैसे महान संतो का उदय हुआ।

(2.) हिंदू - मुस्लिम संस्कृति का मिलन

→ पश्चिम से आ रही ~~फा~~ फारसी भाषा, और भारत की हिंदी भाषा से मिलकर, हिंदवी ~~और~~ उर्दू को जन्म दिया। अथवा

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ सिख पंथ का उदय

↳ सामाजिक एकता, और एक ही ओंकार का नारा देने वाले सिख पंथ का भी उदय हुआ।

④ विदेशी आगमन

↳ विजयनगरकालीन यात्रियो के समय से लेकर, यूरोपीय कंपनियो के आगमन तक विभिन्न संस्कृतियो को भारत मे जगह मिली, जिसने भारत को भी पोषित किया।

कुछ कट्टरपंथी विचार भी रहे

- मुस्लिम आक्रमणकारियो ने हिंदू मंदिरो को ध्वस्त किया
- महिलाओ के संबंध मे पर्दाप्रथा, सतीप्रथा।
- प्रजा को उत्पीड़न का सामना (निरंकुश राजसत्ता)

हालांकि मध्यकालीन भारत की विरासत कमोवेश मेलजोल से जुड़ी रही, जिसने न केवल सांस्कृतिक-धार्मिक जय के, बल्कि दिलो को आपस मे जोड़ने का काम किया।

drishti | दृष्टि The Vision

3. वैश्वीकरण से संबंधित आर्थिक परिवर्तनों ने भारतीय परिवारों में जेंडर भूमिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में योगदान दिया है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The economic changes associated with globalization have contributed to a reevaluation of gender roles within Indian families. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण से तात्पर्य - राष्ट्र / समाजो का एकीकरण यहाँ - विचार, पूंजी, सूचना, व्यक्तियो का भी मुक्त प्रवाह संबद्ध होता है, ऐसे मे महिलाओ से संबंधित बहुआयामी प्रभाव देखने मिलते है

आर्थिक परिवर्तन

① महिलाओ का चारदीवारी से बाहर आना और रोजगार मे संलग्नता।
- → उदा० (कॉरपोरेट मे 32% महिलाएँ संलग्नित)
- → उदा० (PLFS मे 37.0 महिला कार्यबल (श्रमबल)

② नई रोजगार स्कीम जिसमे
- → वर्क फ्राम होम
- → Ed-tech प्लेटफार्म
- → It-BPO
- → सूचना एवं संचार

इनमे महिलाएँ विशिष्ट भूमिका निभा रही है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ जेंडर संवेदीकरण को बढ़ावा

→ विश्वभर से महिला अधिकारों की मांग उठ रही
USA (सिविल राइट मूवमेंट)

→ महिलाओं को गिग इकॉनमी के माध्यम से कार्य-जीवन संतुलन बेहतर

आर्थिक परिवर्तन का प्रभाव

चुनौतियाँ	उपाय
→ कार्यस्थल पर यौन हिंसा (कोलकाता डॉक्टर रेप केस)	→ POSH एक्ट व विशाखा गाइडलाइन
→ महिलाओं पर कार्य बोझ अधिक	→ गिग इकॉनमी (सुरक्षा बीमा)
→ महिलाओं को असमान वेतन (ILO रिपोर्ट, 34% वेतन असमानता है)	→ समान कार्य हेतु समान वेतन
→ साइबर असुरक्षा	→ महिलाओं संबंधित पहल उदा- टाटा की woman @ workplace पहल
→ पितृसत्तात्मक भूमिका	

वैश्वीकरण महिलाओं की भूमिका के साथ, LGBT की भूमिका को भी विश्व में उभार रहा है साथ ही पुरुष आर्थिक अधिकारों को भी बल रहा है

drishti | दृष्टि The Vision

4. चर्चा कीजिये कि किस प्रकार भूमि-उपयोग परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव से सभी वैश्विक क्षेत्रों में जैव विविधता की हानि हो रही है। (150 शब्द) 10

Discuss how combined effects of land-use change and climate change are leading to biodiversity loss across all global regions. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

IPCC की 6 वी रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बढ़ते जलवायु परिवर्तन के कारण, भूमि उपयोग पैटर्न बदल रहे हैं और 2050 तक 50% जैवविविधता खतरे मे पड सकती है

भूमि उपयोग पैटर्न मे बदलाव

1. बढ़ती जनसंख्या, ऐसे मे वनो का कटाव और वन्यजीवो की भूमि का अतिक्रमण।
2. कृषि पर दबाव अधिक, भूमि का बंजर होना और मरुस्थलीकरण।
3. जल निकायो पर दबाव, सूखा और ठोस अपशिष्ट भराव
4. औद्योगिकरण व प्रदूषण फैलाने वाली इकाईयां

जैवविविधता पर प्रभाव

↳ वन्यजीवो के आवास की समाप्ति, ऐसे मे मानव वन्यजीव संघर्ष

↳ हिमालयी क्षेत्र (पूर्वी) मे विकास राजनीति से, बहुत सी कृत्रिम पेड-पौधो की प्रजातियों का भरण

↳ एंडेंजर्ड और क्रिटिकल एंडेंजर्ड स्पीशीज प्रभावित।
उदा. → राजस्थान मे गोडावण चीता...

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलवायु परिवर्तन के कारण	प्रभाव
→ ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैस का बढ़ता प्रभाव	↳ अंटार्कटिका और आर्कटिक बर्फ से संबंधी जंतु प्रभावित।
→ बाढ़, सूखा, भूकंप, ज्वालामुखी सुनामी जैसी आपदाओं का क्रमिक रूप से आना	↳ अमेज़न के जंगलों मे आग
→ मौसम पैटर्न मे बदलाव, होने से जीवों को खतरा	↳ स्थानीय पार्किंग मे निवासरत पुलिस पेड़पौधों व जीव जंतुओं पर प्रभाव

क्या प्रयास किए जा सकते है

→ पेरिस लक्ष्यों के अनुरूप ग्लोबल वार्मिंग रोकना (2°C तक)

→ मिशन लाइफ जैसे प्रयास (पर्यावरण आधारित समाधान)

→ जैवविविधता युक्त क्षेत्रों को विशेष संरक्षण [ESZ घोषित कर]

आज जैवविविधता हॉटस्पॉट का संरक्षण और उन्हे जैवविविधता कूलस्पॉट के रूप मे विकसित करने का प्रयास करना।

drishti | दृष्टि The Vision

5. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान जनजाति समुदायों द्वारा अनुभव किये गए सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों का परीक्षण कीजिये। चर्चा कीजिये कि इन प्रभावों ने जनजातियों के बीच विभिन्न प्रकार के प्रतिरोध और अनुकूलन को कैसे उत्पन्न किया। (150 शब्द) 10

Examine the socio-economic changes experienced by tribal communities during British colonial rule in India. Discuss how these impacts led to various forms of resistance and adaptation among the tribes. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन द्वारा जनजातियो के अधिकारो का शोषण करते हुए, उनके संसाधनो का उपयोग अपने लाभप्राप्ति हेतु किया, इसका परिणाम जनजातीय विद्रोह के रूपो मे सामने आया।

सामाजिक परिवर्तन

- सामाजिक रीतिरिवाजो पर हमला किया गया, ऐसे मे जनजातीय संस्कृति प्रभावित हुई।
- न्याय व्यवस्था जैसे कि ग्राम प्रधान प्रचलित उसमे हस्तक्षेप किया गया।
- साहूकारो का आगमन ग्रामीण क्षेत्र मे हुआ।
  - जिनसे ऋणग्रस्तता बढी, और जनजातीय विप्लव भी बढा।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आर्थिक परिवर्तन और प्रभाव

- बनजातियो की झूम कृषि को बंद करवा दिया, जिससे बेरोजगारी युक्त ये किसान परिवार विद्रोह मे संलग्न हुए।
- जनजातीय क्षेत्र खनिज संपदा से युक्त थे, इसमे भी अधिग्रहण, तब जो वनोपज का लाभ मिलता था वह भी सीमित हो गया।

प्रतिरोध

- संथाल विद्रोह, मुंडा विद्रोह, कोल विद्रोह, जैसे प्रमुख विद्रोह देखने मिलें।
- प्रतिरोध के क्रम मे आगे इनके द्वारा अंग्रेज अधिकारियो की हत्या भी, जिससे अंग्रेजी फौज का शिकार बने।

अनुकूलन

- अंग्रेजो द्वारा संथाल (दामन-ए-कोह) क्षेत्रो का संरक्षण और विशिष्ट नियम बनाए।
- आगे जाकर मे जनजातीय विद्रोहो ने 1857 की क्रांति मे खुदको जोड लिया (देवघर भगीरथ विद्रोह)

6. राजनीतिक राष्ट्रवाद को अग्रेषित करने के लिये भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना प्रांतीय संगठनों के कार्य के कारण लोगों की राजनीतिक और सांस्कृतिक जागृति का परिणाम थी। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The foundation of the Indian National Congress to advance political nationalism was the result of a political and cultural awakening of the people due to work of provincial organizations. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रवाद के उदय मे कांग्रेस की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण क्योंकि जनसाधारण को अपनी सहभागिता का अवसर मिला, और ऊपर तक बात पहुचाने हेतु एक राष्ट्रीय मंच की प्राप्ति हुई।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना और राजनीतिक राष्ट्रवाद

- ब्रिटिश शासन से औपचारिक बातचीत हेतु मंच
- लोगो मे आपसी जुडाव, और ये जुडाव राजनीतिक से आगे बढकर उत्तर से दक्षिण तक सांस्कृतिक जुडाव के रूप मे रहा
- लोगो को उनके अधिकारो के प्रति जागरूक किया
- स्वराज, स्वशासन, स्वाधीनता से लोगो को अवगत कराया।
- ब्रिटिश का शोषक चरित्र (धन निकासी) सामने लाया।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रांतीय संगठनो की भूमिका

↳ प्रांतो मे एक बेहतर कार्यशैली का निर्माण कांग्रेस ने किया, उदा० के लिए
मध्यप्र० → डी.पी. मिश्रा, दुर्गाशंकर मेहता।
उ०प्र० → G.B. पंत जी। और मद्रास → राजगोपालाचारी

→ प्रांतीय नेताओ ने कांग्रेस को क्षेत्रीय, तृणमूल स्तर पर मजबूत किया।

→ महिलाओ, अनुसूचित जातियो / जनजातियो को भी शामिल।

राजनीतिक और सांस्कृतिक जागृति

↳ तिलक द्वारा केसरी और मराठा अखबार एवं गणपति और शिवाजी उत्सव।

↳ कांग्रेस मे सभी धर्मों के लोगो ने हिस्सा लिया।

कांग्रेस का उदय राष्ट्रीय आंदोलन के लिए विभाजनकारी घटना शामिल हुआ, यही से भारत स्वतंत्रता की ओर मुड़ गया।

7. महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत ने महाद्वीपों और महासागरों के वितरण की हमारी वर्तमान समझ को किस प्रकार प्रभावित किया है? प्लेट विवर्तनिकी और भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के आलोक में इसका परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

How has the Continental Drift theory influenced our current understanding of the distribution of continents and oceans? Examine within the framework of plate tectonics and geological processes.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत वेगनर ने दिया (1912) इनके अनुसार महाद्वीपो की वर्तमान स्थिति, प्लेटो के संचलन के कारण संभव हुई। और प्लेट विवर्तनिकी ने इस सिद्धांत को आधार प्रदान किया।

प्रारंभिक स्थिति

→ पैंजिया एक स्थलखंड और चारो ओर पैंथालासा

→ कार्बोनिफेरस युग मे विभाजन शुरु। 3 बल

- ध्रुवीय उत्प्लावन बल (उत्तर की ओर)
- गुरुत्वाकर्षण बल
- ज्वारीय बल (पश्चिम की ओर)

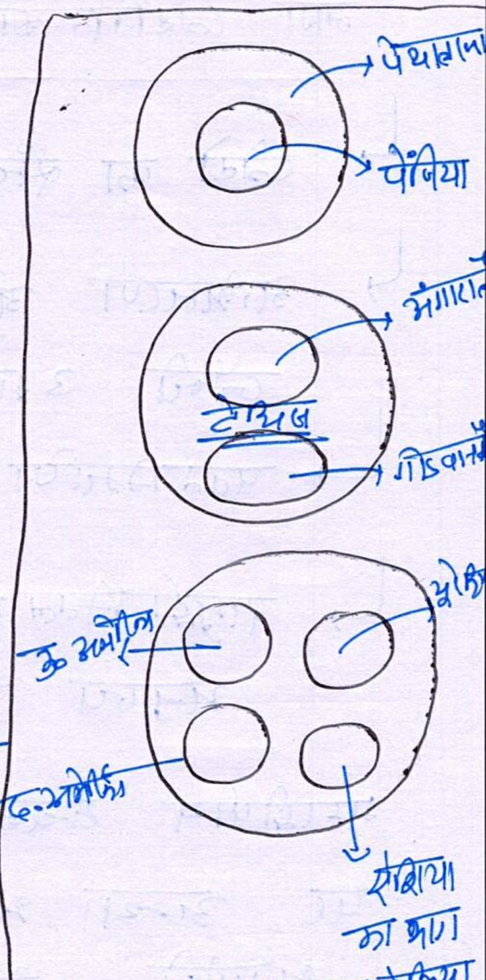

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विस्थापन का प्रमाण

↳ जिग सॉ फिट थ्योरी (महाद्वीपो के भागो को जोड़ना)

↳ ग्लोसोप्टेरिस वनस्पति, और मेसोसारस जीव की खोज।

↳ पृथ्वी का पुराचुंबकत्व (जो बदली हुई स्थिति प्रमाणित)

आगे प्लेटविवर्तनिकी सिद्धांत से इसकी पुष्टि

↳ प्लेटो का संचलन (मृजंवहन धाराओ के कारण)

↳ अभिसरण और अपसरण एवं संरक्षी जैसी 3 गतियाँ।

↳ पर्वत निर्माण और ज्वालामुखी भूकंप आगमन।

↳ समुद्री तितल प्रसरण सिद्धांत (हैरी हेस) के अनुरूप नवीन पर्पटी।

महाद्वीपीय संचलन के कारण ही पृथ्वी पर अन्य भौगोलिक गतिविधियाँ और भूगर्भिक प्रक्रियाएं आकार लेती है

drishti | दृष्टि The Vision

8. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि जनसांख्यिकीय स्थिति ने भारत में संवृद्धि और विकास को चिंताजनक बना दिया है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Do you agree that the demographic situation is weighing down growth and development in India? Illustrate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत जनसांख्यिकीय लाभांश से गुजर रहा है, ऐसे मे एक संगठित सामाजिक कौशल युक्त युवा शक्ति भारत को विकास की ओर ले जा सकती है, परंतु इसमे कुछ चुनौतियां देखी जा रही है।

① सामाजिक चुनौतियां

- बडी संख्या मे बेरोजगार युवा → अनैतिक गतिविधियो मे संलग्न
- समाज मे अपराधो की श्रृंखला मे वृद्धि।
- महिला, पुरुष असमानता।

② आर्थिक चुनौतियां

- नॉलेज – जॉब मिसमैच (रोजगारविहीन विकास)
  - oxfam और अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 46% युवा ग्रेजुएट ही रोजगार योग्य।
- औद्योगिक पैटर्न विकृतियां
  - कृषि से सेवा क्षेत्र की ओर (उद्योग नहीं)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) श्रम प्रधान उद्योगों की अनदेखी

↳ चमड़ा उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग, MSME को विकसित नहीं किया गया, ऐसे में बड़ी संख्या में अकुशल श्रमिक बेरोजगार।

(4) असमान विकास

4 स्तरीय असमानता
- → ग्रामीण शहरी असमानता
- → अमीर गरीब असमानता
- → महिला पुरुष असमानता
- → उच्च - निम्न वर्ग असमानता

↳ ऐसे में असमान विकास, आर्थिक संवृद्धि को निष्प्रभावी कर देता है

प्रयास (1) त्रिआयामी संगम ↗

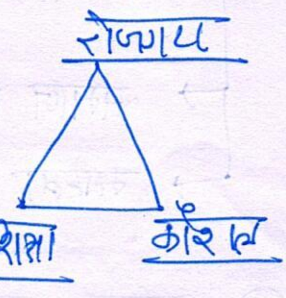

(2) सरकारी प्रयास
- → कौशल विकास 4.0, ↳ मध्यस्थ प्रशिक्षण (ITI)
- → मनरेगा

(3) सामाजिक समावेशिता

अतः जनसंख्या आधिक्य को जनांकिकी लाभांश में तब्दील करने के लिए सामाजिक कौशल और समान, संतुलित, क्षेत्रीय विकास आवश्यक है

9. तीव्र वैश्वीकरण तथा प्रतिभा के लिये तीव्र प्रतिस्पर्द्धा के संदर्भ में भारत में प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) की घटना से उत्पन्न चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the challenges posed by the phenomenon of brain drain on India in the context of rapid globalization and intense competition for talent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण - विश्व के राष्ट्रो और समाजो का एकीकरण है, जिसमे विचारो, पूंजी, सूचना यहाँ तक कि व्यक्तियों का भी मुक्त प्रवाह होता है

प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन से आशय)

→ जब एक देश से शिक्षित और सामाजिक कौशल युक्त मानवपूंजी किसी अन्य देश में प्रवासित (स्थायी / अस्थायी) हो जाए, उसे प्रतिभा पलायन।

उदा० → IIT से पढकर कोई सॉफ्टवेयर इंजी० विदेशी कंपनी में CEO।

ब्रेन ड्रेन की चुनौतियां

(1.) भारत मे सामाजिक पूंजी की कमी

→ जो मानव श्रम भारत की GDP और समाज को योगदान दे सकता था, वह अन्यत्र प्रवासित / समाज में समावेशिता की कमी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② भारत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और तकनीकी का आयातक

→ जब ब्रेन ड्रेन होता है, तब इंजीनियरों और तकनीकी का बाहर से आयात, भारत का भुगतान संतुलन प्रभावित

③ आर्थिक और सामाजिक हित प्रभावित

→ समाज में प्रगतिशीलता का बहिर्गमन।

→ रिमिटेंस के रूप में पूंजी प्राप्ति परंतु टैक्स अधिक

→ विदेश मंत्रालय 2023 रिपोर्ट → 6556 करोड़पतियों व 2,25,000 (लगभग) नागरिकों ने भारत की सदस्यता छोड़ी

हालांकि यह ब्रेनड्रेन रेमिटेंस, FDI, प्रवासी भारतीयों के रूप में भी सहायक होता है, ~~इसे~~ के प्रयास –

→ वैभव फैलोशिप (प्रवासी भारतीयों के आकर्षण हेतु)

→ MAHIR और SANKALP जैसे मिशन (वैश्विक कौशल हेतु)

→ प्रवासियों हेतु भारत को नये अवसर।

→ भारत की सॉफ्ट पावर में सहायक

उपरोक्त पहलों के अलावा, देश के लोगों को देश में सेवा करने के लिए आत्मीय रूप से प्रयास भी।

10. भारत में 19वीं शताब्दी के सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों ने धर्मनिरपेक्ष एवं तर्कसंगत सामाजिक लोकाचार की स्थापना में किस सीमा तक योगदान दिया है। मूल्यांकन कीजिये। इस क्रम में इनके द्वारा सामना की गई रूढ़िवादी शक्तियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Evaluate the extent to which 19th-century socio-religious reform movements in India contributed to the establishment of a secular and rational social ethos. Discuss the challenges they faced from conservative forces. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन, 19 वीं सदी के पुनर्जागरणीय स्वरूप में सामने आए, इनके द्वारा परंपरा एवं आधुनिकता में बेहतर सामंजस्य बनाने का प्रयास किया, परंतु रूढ़िवादी तत्वों ने इसके खिलाफ अलग मोर्चा खोला।

धर्मनिरपेक्ष और तर्कसंगत सामाजिक लोकाचार

1. सभी धर्म के लोगों ने आगे बढ़कर प्रयास
   - उदा. हिंदुओं में ब्रह्मसमाज। मुस्लिमों में अलीगढ़।
   - सिक्खों में अकाली आंदोलन। → पारसी में रहनुमाई सभा।

2. तर्क और बुद्धि को बढ़ावा
   - सतीप्रथा, बालविवाह समाप्ति, विधवा विवाह की वकालत।
   - महिला शिक्षा (सावित्रीफुले) और (डी.के. कर्वे)

3. पिछड़ी जातियों को जोड़ना
   - सत्यशोधक समाज → आत्मसम्मान आंदोलन
   - केरल में SNDP आंदोलन

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चुनौतियाँ

- अलीगढ़ आंदोलन जो आगे मुस्लिम लीग का जनक बना
- रूढ़िवादी आंदोलन भी (आर्यसमाज शुद्धि आंदोलन) जो धर्म को बढ़ावा
- महिलाओं की स्थिति सुधरी नहीं क्योंकि सीमित क्षेत्र प्रभाव, शहरी क्षेत्रों से जुड़ाव, सामाजिक

रूढ़िवादी शक्तियों की चुनौतियाँ

→ राधाकांत देव की धर्म सभा (सती प्रथा विरोध)

→ तिलक द्वारा समाज सुधार का तार्किक विरोध (हस्तक्षेप माना)

→ हिंदू-मुस्लिम रूढ़िवादिता अधिक हो रही थी।

→ उ.पू. की जनजातियों का अलगाव

सामंजस्य प्रयास

→ विभिन्न धर्मों में एकजुटता का प्रयास

→ स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ाव

→ सामाजिक सहकारिता का प्रदर्शन किया

ऐसे में भारत के समाजसुधार एवं सांस्कृतिक सामंजस्य में गतिविधि

drishti | दृष्टि The Vision

11. स्थापत्य के दृष्टिकोण से विजयनगर साम्राज्य में सदियों पुरानी द्रविड़ मंदिर वास्तुकला के साथ पड़ोसी सल्तनतों की इस्लामी शैलियों का संश्लेषण देखा जाता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Architecturally, Vijayanagar synthesizes the centuries-old Dravida temple architecture with Islamic styles demonstrated by the neighboring sultanates. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयो ने 1336 ई. मे की। साम्राज्य की राजनैतिक विशेषताओ के साथ साथ इसे अपनी वास्तुकलात्मक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, जो धार्मिक समन्वय का प्रतीक रही।

पुरानी द्रविण मंदिर वास्तुकला

(1) मंडप और अर्धमंडप → गोपुरम

विजयनगर के समय, चोलकालीन मंडपो का और अधिक विकास हुआ, जो कल्याण मंडप के रूप मे सामने आया। ये भव्यता, उत्कृष्ट अलंकरण और पूजा के स्थान के रूप में देखा गया।

(2) शिखर का विकास →

→ पल्लवकालीन रथ मंदिर से होता हुआ, चोलकालीन दैत्याकार शिखर, जिसे विमान के रूप मे जाना जाता था, यहाँ विजयनगर में भी देखा गया।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ राज्य की शक्ति प्रतिरूपण में

→ जिस तरह चोल साम्राज्य मे राजा स्वयं की मूर्तिया स्थापित करके, जनता से सीधा जुड़ाव करने का प्रयास करते, ऐसा ही प्रयास नायको द्वारा किया गया → मीनाक्षी मंदिर

④ अन्य साझी विशेषताएँ

→ विट्ठलस्वामी मंदिर
→ पंपा देवी मंदिर (मातृ / देवी पूजी का क्रमिक विकास)
→ लेपाक्षी मंदिर (द्रविण शैली की स्पष्टता)

→ विजयनगर साम्राज्य की साझी विशेषता यह भी रही, कि इन्होंने मुस्लिम पडोसी शासको से भी अच्छे तत्वो को आत्मसात किया।

→ छत डालने की शहतीरी परंपरा (कुर्गी की)
→ गुबंद एवं मीनारो से युक्त भवन।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ पडोसी राज्य बहमनी साम्राज्य मे प्रचलित इंडो-फारसी वास्तुकला (क्योकि वह शिया राज्य)

↳ दिल्ली सल्तनत और मुगल सल्तनत की वास्तुकलात्मक दृष्टिकोण उदा० → वृहद भवन और बहुमंजिला इमारत

यही कारण है कि → जब निकोलो कांटी विजयनगर साम्राज्य मे आता है, तब वह इसे रोम से भी भव्य पाता है

↳ वही फारस यात्री अब्दुलरज्जाक भी विजयनगर दुर्ग, खुला, मंदिर निर्माण शैली, और यहाँ तक मस्जिदो के अस्तित्व का वर्णन भी करता है

स्थापत्य और कलात्मक परिप्रेक्ष्य मे विजयनगर साम्राज्य की जीवंतता आज भी बनी हुई है

drishti | दृष्टि The Vision

12. सदियों से विकसित, भारत के विविध नृत्य रूप देश के विभिन्न भागों में अपनी विशिष्ट शैलियों में विकसित हुए हैं और संबंधित क्षेत्र की संस्कृति का प्रभाव पड़ने के साथ इनमें से प्रत्येक की अपनी अलग विशेषता है। चर्चा कीजिये। इसके साथ ही भारतीय लोगों के धार्मिक एवं सामाजिक जीवन के संदर्भ में इनकी भूमिका पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Nurtured for centuries, dance in India has evolved in different parts of the country in its own distinct style, taking on the culture of that region and each acquiring its own flavor. Discuss. Also, highlight its significant place in religious and social life of the Indian people. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय सँस्कृति की परिदृश्यता मे नृत्य अपनी सामाजिक - धार्मिक - सँस्कृतिक - कलात्मक भूमिका निभाते है, ये देश मे विविधता मे एकता के गौरव को पोषित करने का कार्य करते है

→ नृत्यो के गौरव को दो भागो मे समझा जा सकता है

शास्त्रीय नृत्य
↳ ये राग, लय, ताल थाप, वाद्य पर आधारित होते।

क्षेत्रीय नृत्य
↳ ये अपनी क्षेत्रिय / जनजातीय सँस्कृति प्रदर्शित करते थे

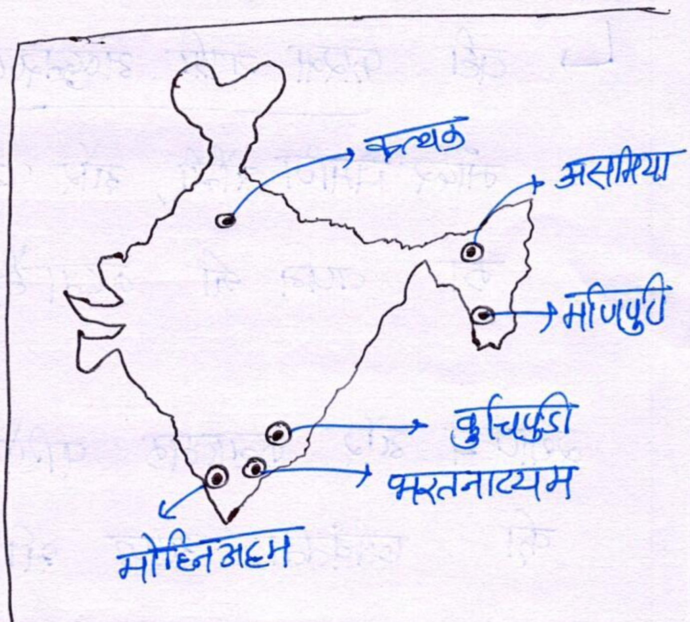

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1) कत्थक → उत्तर भारत में (विशेषत: उ.प्र.), घरानो मे इसका विकास। बिरजू महाराज।

(2) भरतनाट्यम → तमिलनाडु में। अलंकरण विशेषता।

(3) कत्थकली और मोहिनीअट्टम → केरल में। चेहरे पर विभिन्न आकृति।

(4) उ.पू. क्षेत्र → असमिया सत्रीया और मणिपुरी नृत्य।

(5) आन्ध्रप्रदेश का कुचिपुडी → ये महिलाओं द्वारा पारंपरिक पहचान।

क्षेत्रीय नृत्य

→ ये क्षेत्रीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं
उदा. → बिहू (असम), कालबेलिया (राजस्थान), छाऊ---

→ जनजातीय समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं
गोंड → करमा, कलसा, बिरहा।
भील → डोहा (भील नृत्यो का गजरा)

→ कृषि एवं अन्य त्योंहारो से भी सबद्ध होते हैं

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

धार्मिक एवं सामाजिक जीवन में भूमिका

① विविधता में एकता

↳ नृत्य भले ही पृथक हो, परंतु वह ईश्वर की आराधना और आध्यात्मिकता से जुड़े है जो भारत को एकजुट करने का कार्य करता है

② धार्मिक समन्वयता और सामाजिक जोड़दें

↳ विभिन्न मंचों पर सभी धर्मों के लोग मिलकर भाग लेते है सामाजिक जीवन के परिदृश्य को उभारते है

③ कला एवं संस्कृति का संरक्षण

↳ वैश्वीकरण के संदर्भ में अपनी कला एवं संस्कृति को सुरक्षित और संरक्षित रखते है

④ आय का साधन

↳ कलाकारो की आय का साधन और जीवन निर्वाह

अतः नृत्य भारत की एकता को बनाये रखते हुए सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण को भी मनोरम बनाते है

drishti
दृष्टि The Vision

13. क्या आपको लगता है कि विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों के बीच असमानताओं को कम करने से भारत में राष्ट्रवाद को मज़बूती मिल सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिये। (250 शब्द) 15

Do you think reducing disparities among regions and states can strengthen nationalism in India? Justify your answer. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असमानता को आर्थिक संदर्भ से आगे - सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिपेक्ष्य मे देखे, तो ये विभिन्न माध्यमो से क्षेत्रवाद को पोषित करती है, ऐसे मे राष्ट्रवाद की भावना भारत को एकजुट बनाने मे महत्वपूर्ण हो सकती है

मौजूद असमानताएँ

क्षेत्रवार

- ↳ बुंदेलखंड क्षेत्र (आर्थिक और भौगोलिक रूप से पिछड़ा है)
- ↳ विदर्भ क्षेत्र (संसाधनो के अभाव से ग्रस्त)
- ↳ उ.पू. राज्यो मे → जनजातीय अलगाव से (बोडोलैंड की माग)

राज्यवार

- ↳ महाराष्ट्र की GDP, बिहार से 8 गुना अधिक। ऐसे मे, राज्यवार असमानता
- ↳ उ.पू. राज्यो मे विकास प्रतिजन असमानता
- ↳ सीमावर्ती राज्यो मे, समावेशी विकास मे कमी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्षेत्रवाद को कम करने के प्रयास

① सहकारी संघवाद

- GST काउंसिल (राजकोष से जुड़े मुद्दों को हल करना)
- अंतर्राज्यीय परिषद (सभी राज्यों को मंच प्रदान)
- नीति आयोग (बॉटम अप एप्रोच)
- वित्त आयोग भूमिका (जरूरतमंद राज्यों को अनुदान)

② विकासात्मक प्रयास

- बजट मे बुंदेलखंड के विशेष पैकेज (500 करोड़)
- बोडोलैंड जैसे क्षेत्रो मे विकास परिषद हेतु आवंटन
- राज्यो को 2050 तक पूंजीगत आवंटन बढ़ाने हेतु एकमुश्त ऋण

③ क्षेत्रीय /स्थानीय असमानताओं को दूर करने मे

- आकांक्षी जिला योजना और आकांक्षी ब्लाक योजना
- नीति आयोग (राज्य सहायता मिशन)
- केंद्रीय पूल से (42% वित्त अनुदान) जो पहले 31% था (वित्त आयोग)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन राजनीतिक प्रशासनिक उपायों के साथ साथ कुछ अन्य कदम उठाए जा सकते है

→ NGO, स्वंय सहायता समूह के माध्यम से असमानताओ को कम करने का प्रयास

→ त्रिभाषा फार्मूला, भाषायी सामंजस्यता के माध्यम से लोगो के टकराव को कम करते हुए समानता का प्रयास।

→ समवर्ती सूची जैसे विषयो पर राज्यो से सहभागीदारी

इन प्रयासो से राष्ट्रवाद को मजबूती मिलेगी, और सामाजिक समानता यथा (SC/ST/OBC/महिला दिव्यांग / अल्पसंख्यक) का भी विकास हो सकेगा, क्योकि समाज स्वं राष्ट्र आपस में जुडे हुए होते है

14. भारत में निर्धनता के अंतर-पीढ़ीगत संचरण पर चर्चा करते हुए इसके समाधान हेतु उपाय बताइये। (250 शब्द) 15

Discuss inter-generational transmission of poverty in India and give recommendations that could be considered useful to combat it. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे नवीन आंकड़ो के अनुरूप 19% जनसंख्या गरीबी मे जीवन यापन कर रही है, यही (2005 - 2022) के समय मे 415 मिलियन लोग गरीबी रेखा से बाहर भी आए हैं। परंतु गरीबी का अंतरपीढ़ीगत संचरण आज भी जारी है

अंतरपीढ़ीगत गरीबी का चक्र

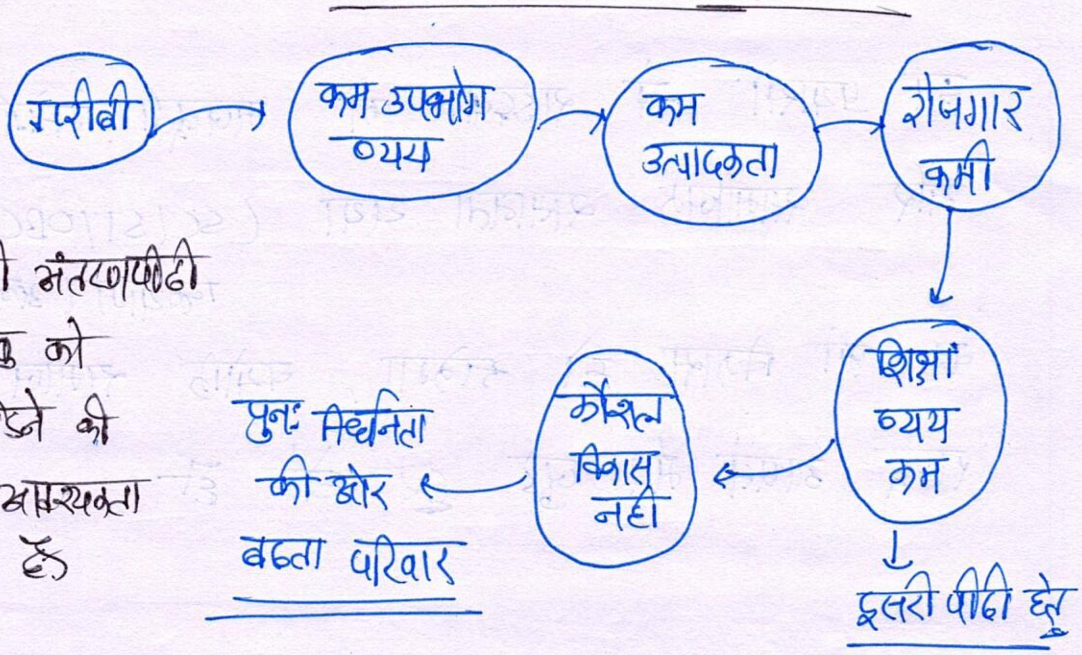

इसी अंतरपीढ़ी चक्र को तोड़ने की आवश्यकता है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंतरपीढ़ीगत संचरण के नुकसान

① एक बड़ी जनसंख्या भूख से पीड़ित
→ भारत का हंगर इंडेक्स में 111 वां स्थान (पीछे)

② कुपोषण का चक्र और स्वास्थ्य प्रभावित
→ बाल ठिनगापन ↳ बाल दुबलापन ↳ MMR IMR (मृत्युदर)

③ बेरोजगारी की तीव्र वृद्धि
→ CMIS के अनुसार 4.1% बेरोजगारी दर।

④ असमानता → गरीबी का नारीकरण (महिलाएँ अधिक प्रभावित)
→ देश में सामाजिक और आर्थिक तनाव भी उत्पन्न।

ऐसे में इसके समाधान हेतु बहुआयामी उपाय

① सरकारी नीतियाँ
→ मनरेगा के माध्यम से अकुशल ग्रामीण रोजगार
→ DBT और JAM के माध्यम से सीधा कैश
→ दीनदयाल ग्रामीण उत्थान योजना / इत्यादि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② कौशल विकास के माध्यम से

- लोगो को रोजगार हेतु प्रशिक्षण
- PM कौशल विकास 4.0
- SANKALP और STRIVE जैसी पहल।
- श्रम आधारित / श्रम केंद्रित वातावरण।

NGO/SHG की भूमिकाएँ

- ये नागरिक समाज और मीडिया संगठनो के साथ मिलकर निर्धनता से लड़ने मे आर्थिक और सामाजिक सहायता करते है।
  उदा. → SEWA और कुटुम्ब श्री

निर्धनता के अन्य स्तरो का समाधान करना

- वास्तविकता मे SC/ST जैसे वंचित वर्गों की सामाजिक निर्धनता, और महिला / PwD जैसे पिछड़े समुदायो की निर्धनता को समाप्त करने के लिए भी, एक बहुआयामी प्रयासो की आवश्यकता है-

15. क्रांतिकारी आंदोलनों को अक्सर फ्रिंज एलिमेंट्स के रूप में देखा जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के व्यापक संदर्भ में इनकी भूमिका का आकलन कीजिये। (250 शब्द) 15

Revolutionary movements are often seen as fringe elements. Assess their place in the larger narrative of the freedom struggle. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश की क्रूर नीतियो के कारण, और मुख्य धारा मे चल रही उदारवादी / उग्रवादी रणनीतियो से विमुख होकर, क्रांतिकारी आंदोलन का जन्म हुआ। जिसने शक्ति के बल पर अपना योगदान राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित किया।

→ इन्हे फ्रिंज एलीमेंट के रूप मे देखा जाता है इसके पीछे कारण –

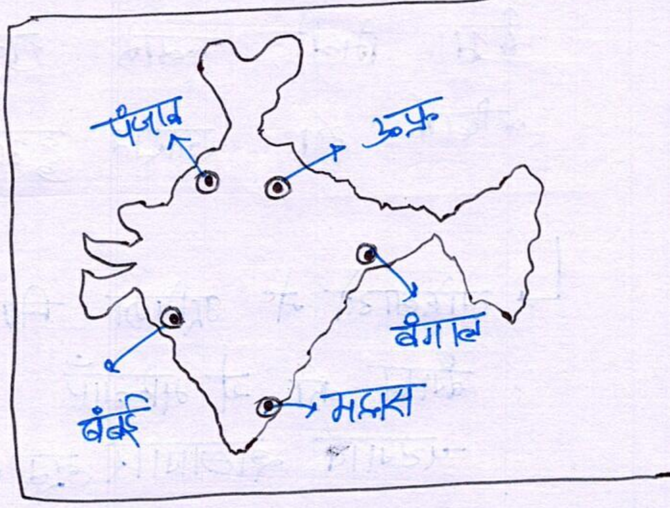

① सीमित क्षेत्र और सीमित जनशक्ति मे प्रसार।

→ क्योकि हिंसात्मक साधनो से आमलोग बचकर रहने का प्रयास करते, उनके गांधीवादी तत्वो से जुडाव अधिक।

② धार्मिक तत्वो को बहुत अधिक

→ कई बार सांप्रदायिकता को बढावा।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ लूट-पाट, डकैती, हत्या जैसे कार्यों मे संलग्न। ऐसे मे ब्रिटिश द्वारा भी तीव्र दमन।

④ विदेशी तत्वों से जुडाव, परंतु भरपूर समर्थन नहीं मिल सका।

हॉलांकि फिर भी इनकी भूमिका को खारिज नहीं किया जा सकता है क्योंकि इनके प्रयासों के कारण न केवल स्वतंत्रता आंदोलन को तीव्रता मिली, बल्कि युवाओं मे जोश एवं संघर्ष भी जाग्रत हुआ।

↳ महिलाओं ने भूमिका निभाई → कल्पना दत्त, सुनीति चौधरी, बीना दास

बंगाल की ये महिलाएँ चटगाव शस्त्रागार लूट से जुडी थी।

↳ HRSA (हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन) द्वारा काकोरी कांड (HRA के समय) और फिर बाद में असेंबली बम कांड के माध्यम से बहरे कानों तक अपनी आवाज पहुंचाई।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ सभी धर्म और संप्रदाय के लोगो ने बढ़कर हिस्सा लिया → अशफाकउल्ला खाँ. (पहले मुस्लिम थे..)

भूमिका का आकलन

↳ भले ही अपने घोषित उद्देश्य मे सफल नही हुए, परंतु भारतीयो मे ब्रिटिश प्रशासन से लड़ने की हिम्मत दी।

↳ विदेशो से भारत को सहायता प्राप्त कराने हेतु गदर आंदोलन (USA मे) और इंडिया हाउस (लंदन) से भी सहयोग लिया।

↳ आगे जब गांधीवादी आंदोलनो की जमीन अधिक उर्वर हुई, तब इनका अवसान हो गया।

परंतु फिर भी क्रांतिकारी आंदोलन भारत के इतिहास मे अपने विशिष्ट राष्ट्रीय और सांस्कृतिक योगदान के लिए चर्चित रहे, और आज भी प्रेरणादायक रहे।

16. फुटलूज उद्योगों को अक्सर आर्थिक विकास के संभावित चालक के रूप में देखा जाता है। फुटलूज उद्योगों से संबंधित लाभों को अधिकतम करने के साथ इसमें निहित कमियों को दूर करने के उपायों पर चर्चा कीजिये।(250 शब्द) 15

Footloose industries are often seen as a potential driver of economic growth. Discuss measures to maximize the benefits and mitigate the drawbacks associated with footloose industries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

फुटलूज उद्योगो से तात्पर्य, वे उद्योग जो विशिष्ट कच्चे माल पर आधारित नहीं होते, और इन्हे बाजार निकटता से भी संबद्ध नहीं होना पड़ता।

आर्थिक विकास के चालक क्यों?

→ इन्हे स्थानिकता के बजाय अन्यत्र स्थापित किया जा सकता है। ऐसे में tier 2-tier 3 शहरों का विकास

→ महिलाओ की विशिष्ट सहभागिता
13.7% सहभागिता को बढ़ाकर 25% करने का ध्यान

→ ग्रामीण क्षेत्रो से जुड़ाव करके उन्हे लोगो को रोजगार की उपलब्धता की प्राप्ति।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ चूंकि ये उद्योग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, और It–BPO और KPO (नॉलेज) से जुड़े होते हैं, जो कि स्टार्टअप इंडिया को बनाते हुए निर्यात को भी प्रभावी बना सकते हैं

उदा० → सेवा निर्यात का बढ़ता प्रचलन

उदा० → 16% सर्वाधिक FDI प्राप्त

कमियाँ
- → श्रमशक्ति की कुशलता की कमी
- → इनका शहरों में केंद्रण
- → वित्त की समस्या
- → बढ़ती साइबर चुनौतियाँ
- → सरकारी / प्रशासकीय बाधाएं (भ्रष्टाचार) सिंगल विंडो क्लीयरेंस नहीं

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दूर करने के उपाय

- कौशल विकास को बढ़ाया जाए।
  - ताकि नॉलेज-जॉब मिसमैच दूर हो सके।
- सरकारी सहायता → स्टार्टअप इंडिया
  - → सीड फंड स्कीम के रूप में
- IT-BPO में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए → महिलाओं की मानव क्षमता बढ़ाना (शिक्षा, स्वास्थ्य बढ़ाना)
- ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी सुलभ पहुंच सुनिश्चित करना

अतः फुटलूज उद्योग भारत को 5 ट्रिलियन वाला अर्थव्यवस्था बनाने में मददगार साबित हो सकते है

drishti | दृष्टि The Vision

17. भारतीय अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए इनके भौगोलिक संकेंद्रण का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyse the geographic concentration of the startup activity in India given its importance in the Indian economy. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्टार्टअप नए और विकसित होती अर्थव्यवस्था के केंद्रबिंदु होते हैं, ये बड़ी संख्या मे रोजगार सृजन करते हुए, प्रौद्योगिकी दक्षता को भी बढ़ाते हैं भारत मे 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्थापित हो चुके।

भौगोलिक संकेंद्रण

- → विशेषतः शहरी क्षेत्रों मे
- → जनसंख्या की अधिकता वाले क्षेत्रों मे
- → कुशल श्रमिकों की उपलब्धता के पास
- → बाजार से जुड़ाव भी जल्दी
- → सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप
- → मेट्रो सिटीज मे निवेश की बेहतर प्राप्ति पर आधारित

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्टार्टअप का महत्व क्यों?

① रोजगार प्राप्ति मे आसानी
- भारत मे Edtech क्षेत्र मे बढता रोजगार
- अर्द्धकुशल श्रमिक भी प्रशिक्षण प्राप्त करके कार्य
- सूचना प्रौद्योगिकी, IT-BPO को बढावा

② महिला सशक्तिकरण
- 13.7% महिला उद्यमियो की संख्या 2025 तक 25% करने का लक्ष्य
- कार्य जीवन संतुलन
- महिलाओ को निर्णय निर्माण मे भागीदारी
- महिलाओ को समान आय — समान वेतन।

③ ग्रामीण विकास
- कृषि क्षेत्रो मे विकास
- कृषि मशीनीकरण
- ग्रामीण क्षेत्रो मे e-commerce

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकारी प्रयास

- स्टार्टअप इंडिया
- SEED स्कीम स्टार्टअप इंडिया सीड फंड
- उद्योगों को शुरुआती तौर पर अनुदान
- मुद्रा लोन और ट्रैम्स ग्रेड

केंद्रीयकरण में नए मानदंड

→ tier 2 और tier 3 शहरों तक पहुंचाये जाये

→ महिला स्टार्टअप को असीमित सहायता

→ जनजातियों को उत्पादों से जोड़ा जाए

उदा. → गुजरात सरकार 10000 जनजातीय उत्पादों का अमेजॉन से समझौता

ऐसे में स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था के ध्वजवाहक हो सकते हैं

18. शीत युद्ध काल की नीतियों को आकार देने में राजनीतिक दर्शनों की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। USA और USSR के बीच वैचारिक संघर्ष ने वैश्विक भू-राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

Analyze the role of political philosophies in shaping the Cold War era policies. How did the ideological conflict between the USA and the USSR affect global geopolitics? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दो महाशक्तियो का उदय हुआ, जिसमे पश्चिमी गुट क्षेत्र से USA और पूर्वी गुट क्षेत्र से USSR महाशक्तियो के रूप मे उभरें, और इन्ही के मध्य छद्म और वैचारिक युद्ध (शीत युद्ध) 40 वर्षों तक चलता था

राजनीतिक दर्शनो की भूमिका

(1.) पूंजीवादी vs समाजवादी

→ अमेरिका पूंजीवादी गुट और मुक्त व्यापार का समर्थक

→ USSR समाजवादी अर्थव्यवस्थावादी और उन्मुक्त प्रीति समाज को पोषित

(2.) लोकतंत्र vs साम्यवाद

→ लोकतांत्रिक शासित व उदारवादी ताकतें अमेरिका व पश्चिमी यूरोप वही पूर्वी यूरोप के ज्यादा USSR साम्यवाद

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② शक्ति संघर्ष में बढ़त बनाना

→ नवोदित स्वतंत्र राष्ट्रों को अपने अपने गुट में मिलाकर शक्ति संघर्ष में बढ़त प्राप्त करने का चलन।

इनका प्रभाव

- विश्व का दो ध्रुवों में बंट जाना
- शक्ति, सैन्य, हथियारों, परमाणुवाद को तरजीह मिलना
- 40 वर्षों के लंबे संघर्ष में तृतीय विश्वयुद्ध का खतरा बना रहा।

वैचारिक संघर्ष ने भूराजनीति को प्रभाव

① देशों में आपसी संघर्ष बढ़े

→ उदा० → उत्तरकोरिया - दक्षिणकोरिया
→ वियतनाम क्षेत्र

② मध्यपूर्व में संकट

- अफगानिस्तान में बढ़त प्राप्ति
- तेल क्षेत्रों में घुसपैठ

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ क्यूबा मिसाईल संकट जैसी वैश्विक चुनौतियाँ

↳ कहा जाता है, अगर ये नहीं रुकता तो एक बड़ा युद्ध हो जाता

④ परमाणु संघर्ष का खतरा

↳ लगातार सैन्यवाद को बढ़ोत्तरी मिला।

⑤ UNO की निष्प्रभाविता

↳ संयुक्त राष्ट्र की निष्प्रभाविता भी देखी गई

हालांकि कुछ अच्छे परिणाम भी

↳ गुटनिरपेक्ष आंदोलन के रूप में बहुध्रुवीय विश्व की स्थापना
↳ दोनो महाशक्तियों ने उपनिवेशवाद समाप्ति पर जोर

उपरोक्त संदर्भ बताता है कि इस शीतयुद्ध ने भीषण रूप से प्रभावित किया, और 1991 मे सोवियत विघटन के साथ इसकी समाप्ति हुई।

drishti | दृष्टि The Vision

19. विस्फोटक एवं निःसृत ज्वालामुखी उद्गार (Explosive and Effusive Volcanic Eruptions) से ज्वालामुखी क्षेत्रों की स्थलाकृति एवं भौमिकी को किस प्रकार आकार मिलता है? (250 शब्द) 15

How do explosive and effusive volcanic eruptions shape the topography and geology of volcanic regions? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी की भूसंचलन गतिविधियो और संवहन धाराओ के परिणामस्वरूप, ~~किसी~~ छिद्र / दरार के माध्यम से - धूल, धुआ, मैगमा, लावा, जल का पृथ्वी पर आगमन ज्वालामुखी कहलाता है

→ विस्फोटक ज्वालामुखी से मिलने वाली स्थलाकृतियाँ

1. अगर सिलिका की मात्रा अधिक है, तब गाढा अधिक, और केंद्रीय विस्फोट ऐसे मे पर्वत का निर्माण [उदा.) फीलियन तुल्य]

2. सिलिका की मात्रा कम तब, मैगमा का बहाव अधिक ऐसे मे → लावा का पठार (दक्कन उदा.) और मैदान के निर्माण की संभावना।

→ विस्फोटकता से अन्य स्थलाकृतियाँ भी जो भिन्न है→

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

① क्रेटर का निर्माण → एक विशाल आकृति के रूप मे चौडे मुख वाला क्रेटर। जिसका बडा प्रतिरूप कालडेरा का निर्माण भी

② शंकु के आकार का ज्वालीय प्रतिरूप → सिंडर शंकु

③ झील का निर्माण → जब इनमे पानी का अपवाह रहे मे झील का निर्माण उदा० → लोनार झील

→ नि:सृत ज्वालामुखी उद्गार से भी ज्वालाघटियो का निर्माण, वही जब आंतरिक रूप मे निर्मित →

- लैकोलिथ
- लोपोलिथ
- फैकोलिथ
- सिल
- डाइक

ये सभी स्थलाकृतियाँ जमीन के अंदर अथवा मध्य भाग मे अपना स्थान बनाती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्थलाकृति एवं भौतिकी के अन्य प्रभाव

↳ अवशिष्ट पर्वतो का विकास होता है, क्योकि ये मैगमा जमने के बाद क्षरित होता है।

↳ ज्वालामुखीय आकृतियो से भौगोलिक जंचलन भी प्रभावित → यथा → भूकंप का आगमन
यथा → सुनामी का आगमन

↳ समुद्री तलो मे ज्वालामुखी का आगमन, जो सागरीय कटक और गिओट के रूप मे ज्वालामुखी पर्वत का निर्माण करते है

जापान मे स्थित द्वीप श्रृंखला और चापीय आकृतियां ज्वालामुखी प्रतिरूपो को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करती है

drishti | दृष्टि The Vision

20. भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन भारत के स्वतंत्रता-पश्चात् इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण कदम था। भारत की राष्ट्रीय एकता और विकास पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

The reorganization of states on linguistic lines was a significant step in India's post-independence history. Evaluate its impact on India's national unity and development. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भाषायी आधारित राज्यो का पुनर्गठन, भारत की भाषायी विविधता, बढ़ती क्षेत्रीय मांग, और एक स्वतंत्र राष्ट्र मे अपना स्थायी प्रभुत्व प्राप्त करने की इच्छा को प्रदर्शित करती है।

विकास का क्रम

1. एस. के. धर की अध्यक्षता मे आयोग गठित
2. फजल अली की अध्यक्षता मे आयोग
3. JVP समिति की रिपोर्ट

अंततः → भाषायी राज्यो के गठन की प्रक्रिया को मंजूरी मिली, हालांकि इसमे दो प्रावधान प्रमुख थे।

1. अगर किसी राज्य मे दूसरी भाषा की अल्पसंख्यक हो, तो उसे भी द्वितीयक भाषा का दर्जा
2. भाषा संबंधी संसदीय समिति और भाषायी आयोग (अल्पसंख्यक) गठन

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ 1953 मे पोट्टीश्रीरामलू के लंबे संघर्ष के बाद आँध्रप्रदेश (तेलुगू) आधारित प्रथम भाषायी राज्य बना।

→ आज भारतीय एकता पर इनके मिलेजुले प्रभाव देखने मिलते है जिन्हे हम निम्न बिंदुओ से समझ सकते है

सकारात्मक प्रभाव

① लोकतंत्र की मूलभावना → लोकतंत्र मे जनता की अभिव्यक्ति मायने रखती है, ऐसे मे भाषायी राज्यो का गठन सशक्ति प्रदान करता है

② विविधता का सम्मान → विविधता मे एकता भारत की पहचान रही है, ये सांस्कृतिक सामंजस्य को बढाती है

③ विरोध / टकराव की कमी → अब राज्य व केंद्र के बीच भाषा संबंधी टकराव भी कम हुए है और शांतिप्रिय वातावरण।

④ राज्यो का विकास की ओर ध्यान

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कुछ चुनौतियाँ भी

- क्षेत्रवाद का प्रसार हो रहा
  - → मराठी अस्मिता
  - → तमिल अस्मिता
- राज्यों में आपसी संघर्ष → कर्नाटक (बेलगांव) मुद्दा
- हिंदी थोपने का आरोप → दक्षिणी राज्यों के द्वारा
- भाषाई टकराव की स्थिति
  - → उत्तर भारत के प्रवासी मजदूरों को परेशान करना
- भाषायी गौरव का मुद्दा अब भाषायी अतिवाद में तब्दील

प्रयास
- → नई शिक्षा नीति त्रिभाषा फार्मूला
- → अंतर्राज्यीय समन्वय और सहयोग
- → क्षेत्रीय भाषाओं में डॉक्टर, इंजीनियरिंग शिक्षण
- → हिंदी सहित अन्य भाषाओं में अनुवाद और अंग्रेजी से सामंजस्य

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)